श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 1 वर्ष, अंक 48, पृष्ठ 4, मूल्य 1.00

अखण्ड भारत सन्देश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज बुधवार, 23 सितम्बर, 2020

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान की एक अनुपम भेंट

असंगठित क्षेत्र के 40 करोड़ श्रमिकों को मिलेगी सुरक्षा, लोकसभा से तीन श्रम विधेयक पारित

नई दिल्ली, जागरण ब्यूरो। बहुप्रतीक्षित नए श्रम विधेयक को लोक सभा में पारित कर दिया गया। नए श्रम कानून से देश के संगठित व असंगठित दोनों ही प्रकार के श्रमिकों को कई प्रकार की नई सुविधाएं मिलेंगी। सभी श्रमिकों को नियुक्ति पत्र देना अनिवार्य होगा। उनके वेतन का डिजिटल भुगतान करना होगा। साल में एक बार सभी श्रमिकों का हेल्थ चेकअप भी अनिवार्य किया गया है। वहीं, उद्यमियों के कारोबार को आसान बनाने के लिए कई प्रावधान लाए गए हैं। लोकसभा ने इसे ध्वनिमत से पारित कर दिया। जबकि बुधवार को इसे राज्यसभा से भी मंजूरी मिल सकती है।

73 साल के इतिहास में पहली बार श्रम कानून में ऐसे बदलाव

मंगलवार को लोक सभा में केंद्रीय श्रम मंत्री संतोष गंगवार ने व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यदशाएं (ओएसएस) संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता एवं सामाजिक सुरक्षा संहिता को पेश किया और कहा कि 73 साल के इतिहास में पहली बार इस प्रकार से श्रम कानून में बदलाव किए जा रहे हैं, जो नियोक्ता और श्रमिक दोनों के लिए फायदेमंद साबित होंगे। मजदूरी संहिता पहले ही अधिसूचित हो चुकी है। इन चार संहिताओं में पुराने 29 कानून को एकीकृत किया गया है। पिछले दिनों में प्रवासी मजदूरों को लेकर काफी राजनीति हुई है। ऐसे में गंगवार ने एक-एक कर श्रमिकों को मिलने वाले लाभ गिनाए। पहले ठेकेदारों की ओर से एक राज्य से दूसरे राज्य में लाए गए श्रमिक ही प्रवासी होते थे, लेकिन स्वयं आने वाले श्रमिकों के साथ नियोक्ताओं द्वारा दूसरे राज्य के श्रमिकों को काम पर रखे जाने पर उन्हें प्रवासी श्रमिकों की श्रेणी में रखा जाएगा और उन्हें ओएसएच कोड का लाभ मिल पाएगा। प्रवासी मजदूरों का डाटा रखने के लिए लेबर ब्यूरो बनाया जाएगा, जिसके तहत सभी प्रवासी श्रमिकों की विस्तृत जानकारी होगी। सभी राज्यों व विभागों से प्रवासी मजदूरों का डाटा लिया जाएगा।

नए कानून के तहत सभी प्रवासी श्रमिकों को साल में एक बार अपने मूल निवास पर जाने के लिए सरकार की तरफ से सुविधा मुहैया कराई जाएगी। अपनी इच्छा से महिला श्रमिक रात की पाली में भी काम कर सकेंगी। फिक्स्ड टर्म स्टाफ को भी स्थायी श्रमिकों की तरह सारी सुविधाएं मिलेंगी। यहां तक कि एक साल के कांट्रैक्ट पर काम करने वाले कर्मचारी को ग्रेच्युटी जैसी सुविधा भी मिलेगी। अभी कम से कम पांच साल काम करने पर ही ग्रेच्युटी का लाभ मिलता है।

40 करोड़ श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा फंड का निर्माण

असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले लगभग 40 करोड़ श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा फंड का निर्माण किया जाएगा। देश के सभी जिलों में ईएसआईसी की सुविधा होगी। खतरनाक क्षेत्रों में काम करने वाले श्रमिकों को अनिवार्य रूप से ईएसआईसी से जोड़ा जाएगा। सेल्फ असेस्मेंट के आधार पर असंगठित क्षेत्र के श्रमिक अपना इलेक्ट्रॉनिक पंजीयन करा सकेंगे। घर से कार्य पर आने व जाने के दौरान दुर्घटना होने पर कर्मचारी कंपनसेशन का हकदार होगा। अपने दादा-दादी को भी कर्मचारी आश्रितों में जोड़ सकेगा।

एक ही लाइसेंस से उद्यमी देश के किसी भी कोने में कर सकेगा काम

इसके साथ ही उद्यमियों को यूनिट चलाने के लिए अब सिर्फ एक पंजीयन कराना होगा। अभी उन्हें छह प्रकार का पंजीयन कराना होता है। उसी प्रकार से उद्यमियों को सभी प्रकार के श्रम संबंधी संहिता के पालन को लेकर सिर्फ एक रिटर्न दाखिल करना होगा। अभी आठ प्रकार के रिटर्न दाखिल करने पड़ते हैं। श्रम इंस्पेक्टर बिना बताए यूनिट के निरीक्षण के लिए नहीं जाएंगे। फेसलेस तरीके से यूनिट का रैंडम निरीक्षण किया जाएगा। उद्यमियों को श्रम कानून में इस प्रकार की सुविधाएं मिलने से विदेशी निवेश को आकर्षित करने में काफी मदद मिलेगी। दुनिया के कई देश भारत के वर्तमान जटिल श्रम कानून को निवेश में बाधा मानते हैं। श्रम कानून को नियोक्ता के लिए आसान बनाने से वर्क फ्रॉम होम कल्चर को प्रोत्साहन मिलेगा। उद्यमी एक ही लाइसेंस से देश के किसी भी कोने में काम कर सकेगा।

पीएम नरेंद्र मोदी के हाथों उत्तर प्रदेश के ग्रामीणों को मिलेगी उनके मकानों के मालिकाना हक की सौगात

लखनऊ [राजीव दीक्षित]। देश की आजादी के 73 साल बाद उत्तर प्रदेश के गांवों के आबादी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को उनके मकानों का मालिकाना हक मिलेगा। यह मुमकिन होगा केंद्र सरकार की स्वामित्व योजना के जरिये जिसके तहत गांवों के आबादी क्षेत्रों की संपत्तियों का सीमांकन किया जा रहा है। प्रदेश के ग्रामीणों को उनके मकानों के मालिकाना हक का दस्तावेज दिलाने की शुरूआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों कराने की तैयारी जोरशोर से चल रही है। गांधी जयंती पर दो अक्टूबर को प्रधानमंत्री वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये उत्तर प्रदेश के 37 जिलों के 350 गांवों के निवासियों को उनके मकानों के स्वामित्व प्रमाणपत्र के तौर पर ग्रामीण आवासीय अभिलेख (घरौनी) वितरित कर सकते हैं।

दरअसल, गांवों के लोगों के पास अपने खेतों के स्वामित्व को दशार्ने वाले दस्तावेज के तौर पर खतौनी तो होती है लेकिन जिन मकानों में वे पीढ़ियों से रहते आये हैं, उसके मालिकाना हक का उनके पास कोई अभिलेख नहीं होता है। संपत्तियों पर अतिक्रमण के कारण गांवों में आये दिन झगड़े-फसाद होते हैं। गांवों के आबादी क्षेत्र की संपत्तियों का सीमांकन करके ग्रामीणों को उनके मकानों पर उनके स्वामित्व को दशार्ती घरौनी मुहैया कराने के लिए 24 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वामित्व योजना का शुभारंभ किया था। योजना के तहत ड्रोन टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल से गांवों के आबादी क्षेत्र की एरियल फोटोग्राफी कर उसमें निहित संपत्तियों का सीमांकन किया जा रहा है। सीमांकन के आधार पर ग्रामीणों को उनके मकानों की घरौनी मुहैया करायी जाएगी। घरौनी का एक फायदा यह होगा कि ग्रामीण अपने मकान के एवज में बैंक से लोन ले सकेंगे।

उत्तर प्रदेश में 1,08,937 राजस्व गांव हैं जिनमें स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीण आबादी का सर्वेक्षण किया जाना है। इनमें से लगभग 82000 गांवों में आबादी क्षेत्र के सर्वेक्षण के लिए राज्य सरकार की ओर से अधिसूचना जारी

की जा चुकी है। इस वित्तीय वर्ष में इनमें से तकरीबन 54000 गावों में आबादी क्षेत्र के सर्वेक्षण कार्य को पूरा करने का लक्ष्य है। फिलहाल जिन 37 जिलों के ग्रामीणों को घरौनी वितरित की जानी है, उनके 346 गांवों में आबादी सर्वेक्षण का काम पूरा हो चुका है।

इन जिलों के ग्रामीणों को मिलेगी घरौनी : गोरखपुर, वाराणसी, फतेहपुर, गोंडा, गाजीपुर, देवरिया, चंदौली, चित्रकूट, बहराइच, बस्ती, बाराबंकी, बांदा, बलरामपुर, बलिया, आजमगढ़, अयोध्या, अमेठी, अंबेडकरनगर, मऊ, हमीरपुर, जालौन, जौनपुर, झांसी, कौशांबी, कुशीनगर, ललितपुर, महाराजगंज, महोबा, मीरजापुर, प्रतापगढ़, प्रयागराज, संत रविदासनगर, संत कबीर नगर, श्रावस्ती, सिद्धार्थनगर, सोनभद्र और सुलतानपुर। गांव के हर मकान का होगा यूनीक आइडी नंबर : स्वामित्व योजना के तहत गांवों के निवासियों को दिये जाने वाले ग्रामीण आवासीय अभिलेख (घरौनी) में हर मकान का यूनीक आइडी नंबर दर्ज होगा। यह आइडी नंबर 13 अंकों का होगा। इसमें पहले छह अंक गांव के कोड को दशाएंगे। अगले पांच अंक आबादी के प्लांट नंबर को दशाएंगे और आखिरी के दो अंक उसके संभावित विभाजन को दशाएंगे।

कैबिनेट से मंजूरी दिलाने की तैयारी : ग्रामीण आबादी के सर्वेक्षण कार्य और गांववासियों को घरौनी उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को अमली जामा पहनाने के लिए राजस्व विभाग ने उत्तर प्रदेश आबादी सर्वेक्षण एवं अभिलेख संक्रिया विनियमावली, 2020 का ड्राफ्ट तैयार कर लिया है जिसे जल्द ही कैबिनेट से मंजूरी दिलाने की तैयारी है।

आबादी सर्वेक्षण के लिए नियमावली : आबादी सर्वेक्षण के लिए सबसे पहले गांव में चूने से मार्किंग करके संपत्तियों को अलग-अलग दर्शित किया जाएगा ताकि ड्रोन से फोटो खींचे जाने पर वे अलग-अलग दिखाई दें। ड्रोन फोटोग्राफी के आधार पर आबादी क्षेत्र का मानचित्र तैयार किया जाएगा और उसमें दशार्ये गए मकानों और अलग दशार्ये गए स्थानों की नंबरिंग की जाएगी। नंबरिंग के आधार पर प्रत्येक घर के गृह स्वामी का नाम लिखा जाएगा। यदि घर में संयुक्त रूप से कई भाई रहते हैं तो सभी के नाम और उनके हिस्से भी लिखे जाएंगे। इस तरह आबादी क्षेत्र के नक्शे के आधार पर गृह स्वामियों की सूची तैयार की जाएगी। सार्वजनिक भूमि, नाली, खड़ंजा, रास्ता, मंदिर, मस्जिद आदि के अलग-अलग नंबर दिये जाएंगे। आबादी क्षेत्र की संपत्तियों को नौ श्रेणियों में बांटा जाएगा। सर्वेक्षण के आधार पर तैयार की गई सूची गांव में प्रकाशित की जाएगी।

कालीकट अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 95.35 लाख रुपये का सोना जब्त

तिरुवनंतपुरम, एएनआइ। कोरोना काल में केरल से लगातार सोना तस्करी की खबरें सामने आ रही हैं। ताजा मामला कालीकट अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का है। इंटेलिजेंस यूनिट के अधिकारियों ने एक यात्री से 95.35 लाख रुपये का सोना जब्त किया। फिलहाल यात्री से पूछताछ की जा रही है। इससे पहले भी इस राज्य से सोना तस्करी के कई मामले सामने आए हैं। बीते दिनों से लगातार राज्य में सोना तस्करी के मामल दर्ज किए गए हैं। सोना तस्करी का यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी केरल से ऐसे मामले सामने आए चुके हैं। पिछले दिनों से लगातार राज्य में अलग-अलग तरीकों से सोना तस्करी के मामले सामने आ रहे हैं। पिछले दिनों कोझिकोड की एयर इंटेलिजेंस यूनिट ने दो यात्रियों के पास से सोना जब्त किया है। दुबई के शारजाह (UAI)से आए 2 यात्रियों के पास से 334 ग्राम सोना और 230 ग्राम कच्चे आभूषण जब्त किए गए थे। इससे पहले सोने को एक इलेक्ट्रिक जूसर के अंदर छुपा कर केरल एयरपोर्ट लाया गया था। अधिकारी ने यात्री के पास से 524.58 ग्राम सोना जब्त किया था, जिसकी कीमत 25.97 लाख रुपये थी। आरोपित को अधिकारियों ने गिरफ्तार कर लिया था। इससे पहले तमिलनाडु में सोने की तस्करी का मामला सामने आया था।

कोरोना में हर कैदी को जमानत पर छोड़ने को नहीं कहा था : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, प्रेट्र। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि उसने कोरोना काल में जेल में बंद कैदियों को संक्रमण से बचाने के लिए उन्हें अंतरिम जमानत या पैरोल पर छोड़ने का निर्देश दिया था, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि हर विचाराधीन कैदी या सजायाफ्ता को उसके अपराध की प्रकृति या गंभीरता पर विचार किए बिना ही छोड़ दिया जाए। दरअसल, कोरोना वायरस को महामारी घोषित किए जाने के बाद शीर्ष अदालत ने जेलों में कैदियों के बीच समुचित शारीरिक दूरी बनाए रखने की जरूरत पर गौर किया था और 23 मार्च को सभी राज्यों को उच्चाधिकार समितियां (एचपीसी) गठित करने का निर्देश दिया था। इन समितियों को कैदियों के अपराध की गंभीरता, उनकी सजा की अवधि और कुछ अन्य तथ्यों पर विचार करने के बाद यह तय करना था कि किस कैदी को छोड़ा जाए और किसे नहीं।

प्रधान न्यायाधीश एसए बोबडे, जस्टिस एएस बोपन्ना और जस्टिस वी. रामसुब्रमण्यम की पीठ ने बांबे हाई कोर्ट के पैसले के खिलाफ दायर नेशनल अलायंस फॉर पीपुल्स मूवमेंट (एनएपीएम) नामक एनजीओ की याचिका खारिज कर दी। पीठ ने कहा कि कैदियों को अंतरिम जमानत या पैरोल पर छोड़ने का निर्देश एक विकल्प के तौर पर दिया गया था। इसका यह मतलब नहीं था कि हर कैदी को जमानत पाने का वैधानिक अधिकार मिल गया। एचपीसी को यह पूरा अधिकार था कि जेल में कैदियों की संख्या, महामारी की स्थिति को देखते हुए वह रिहाई की शर्तों में बदलाव करे।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद महाराष्ट्र सरकार ने एचपीसी का गठन किया था। इसने कहा था कि जिस अपराध में सात साल से कम सजा का प्रावधान है, उसके कैदियों को रिहा जाएगा। मकोका, पीएमएलए, एनडीपीएस, गैरकानूनी गतिविधियां निरोधक कानून जैसे विशेष कानूनों और आर्थिक अपराधियों को रिहा करने से मना कर दिया था। एचपीसी के इस फैसले के खिलाफ एनएपीएम ने बॉम्बे हाई कोर्ट में अपील दायर की थी। बॉम्बे हाई कोर्ट ने एचपीसी के फैसले को सही ठहराया था।

ईडी ने जब्त की इकबाल मिर्ची की दुबई में 200 करोड़ की संपत्तियां, 2019 में जब्त की थी 600 करोड़ की संपत्ति

नई दिल्ली, आइएएनएस। अंडरवर्ल्ड के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में दाऊद इब्राहिम के करीबी सहयोगी रहे दिवंगत इकबाल मिर्ची से जुड़ी दुबई (संयुक्त अरब अमीरात) में 200 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त की हैं। जांच से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एजेंसी ने मिर्ची और उसके परिवार से जुड़ी करीब 15 संपत्तियों को जब्त किया है, इनमें दुबई की संपत्तियां भी शामिल हैं। अधिकारियों के मुताबिक, ईडी ने मिर्ची की लंदन, दुबई और मुंबई स्थित करीब 30 संपत्तियों की पहचान की है जिनका मूल्य लगभग एक हजार करोड़ रुपये है। मुंबई में वर्ली के प्रमुख स्थानों पर स्थित सीजे हाउस, साहिल बंगला, राबिया

मेंशन, मरियम लॉज और सी व्यू की कथित रूप से गैरकानूनी खरीद-बिक्री मामले में मिर्ची, उसके परिवार के सदस्यों और अन्य के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया गया था। पिछले साल दिसंबर में ईडी ने 600 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियां जब्त की थीं। इनमें मुंबई में वर्ली स्थित सीजे हाउस और ताड़देव स्थित अरुण चैंबर्स शामिल हैं जिनकी कीमत करीब 76 करोड़ रुपये है। इनके अलावा साहिल बंगला, राबिया मेंशन, मरियम लॉज, सी व्यू और क्रॉफोर्ड मार्केट में तीन दुकानें व लोनावाला में पांच एकड़ जमीन भी जब्त की गई थीं। इस मामले में ईडी पहले ही पूर्व केंद्रीय मंत्री और राकांपा नेता प्रफुल्ल पटेल, बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा और कई अन्य से पूछताछ कर चुकी है। मालूम हो कि बीते साल ईडी ने इकबाल मिर्ची की 600 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त की थी। इस तरह से अब तक कुल मिलाकर ईडी मिर्ची की 800 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त कर चुकी है। इससे पहले ईडी ने अपने सूत्रों के जरिए इकबाल मिर्ची की मुंबई और अन्य जगहों पर संपत्तियों की पहचान कर ली थी, अब इन्हीं सब पर कार्रवाई की जा रही है। इनको जब्त किया जा रहा है। दुबई और अन्य जगहों पर काले पैसों से बनाई गई संपत्ति को जब्त किया जा रहा है।

नक्सलियों का खूनी खेल, छत्तीसगढ़ के बीजापुर में 4 ग्रामीणों की हत्या, दहशत में आसपास गांवों के लोग

बीजापुर, राज्य ब्यूरो। छत्तीसगढ़ में बीजापुर जिला मुख्यालय से 30 किमी दूर गंगालूर थाना क्षेत्र के डोडी तुमनार और पीड़िया गांव से तीन दिन पहले अगवा किए गए चार ग्रामीणों की नक्सलियों ने हत्या कर दी है। अगवा एक अन्य ग्रामीण के बारे में कोई सूचना नहीं है। दहशतजदा ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दिए बिना शवों को दफना दिया है। हालत यह है कि वे गांव से बाहर ही नहीं निकल रहे हैं। हालांकि, पुलिस इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं कर रही है। बताया जाता है कि एक सप्ताह पहले भी डोडी तुमनार में नक्सलियों ने तीन ग्रामीणों की हत्या की है। आइजी के अनुसार घटनास्थल पर फोर्स को भेजा जा रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार शनिवार को 20-25 की संख्या में हथियारबंद नक्सली ग्राम सावनार, पीड़िया और डोडी तुमनार में आ

धमके थे। इस दौरान उन्होंने पांच ग्रामीणों को अगवा कर लिया था। इनमें से सावनार के कुरसमपारा निवासी संदीप कुरसम (25), हेमलापारा निवासी रामा हेमला (35) समेत डोडी तुमनार व पीड़िया के एक-एक ग्रामीण की हत्या कर दी है। सूत्रों के अनुसार एक सप्ताह पहले भी नक्सलियों ने पुलिस के लिए मुखबिरी करने के शक में डोडी तुमनार के तीन ग्रामीणों की हत्या की है। गंगालूर में मंगलवार को साप्ताहिक हाट थी, लेकिन सावनार, कोरचोली, नेंड्रा और तोड़का गांवों से एक भी ग्रामीण खरीदारी करने नहीं आया। इसके पीछे नक्सलियों की दहशत को प्रमुख वजह बताया जा रहा है। बता दें कि सावनार पंचायत की सरपंच संगीता ताती के ससुर की पांच साल पहले नक्सलियों ने तोड़का गांव में हत्या कर दी थी। इसके बाद से उनका परिवार जिला मुख्यालय में निवास कर रहा है।

नक्सली जवानों के अलावा ग्रामीणों को अपना निशाना बना रहे हैं। पिछले एक माह में वे 15 लोगों की हत्या कर चुके हैं। ग्रामीणों पर पुलिस के लिए मुखबिरी करने का आरोप लगाकर उनकी हत्या कर रहे हैं। इसके पहले गंगालूर थाना क्षेत्र के ही पुसनार और मेटापाल के चार ग्रामीणों की नक्सलियों ने हत्या की थी। एक दिन पहले ही बासागुड़ा थाना क्षेत्र के पुतकेल गांव में ग्रामीण दासर रमन्ना की हत्या की है। इसके पहले कुटरू इलाके में एएसआइ और सहायक आरक्षक की हत्या की थी। एक दिन पहले ही भैरमगढ़ थाना क्षेत्र के चिहका में नक्सलियों ने बर्खास्त सहायक आरक्षक की हत्या की थी।

बस्तर के आइजी सुंदरराज पी ने कहा कि अंदरूनी क्षेत्रों से इसकी सूचना आ रही है। पुलिस अपने स्तर पर जानकारी ले रही है। अब तक कोई भी एफआइआर दर्ज कराने को नहीं आया है। घटनास्थल पर फोर्स को भेजने की तैयारी चल रही है। बीजापुर जिले में नक्सली अपनी खिसकते जमीन से बौखला गए हैं और निर्दोष ग्रामीणों को पुलिस का मुखबिर बताकर उनकी हत्या कर रहे हैं।२

आज दिन और रात होंगे बराबर, 23 सितंबर के बाद दिन छोटे और रातें लंबी

जागरण संवाददाता, कानपुर। आज 23 सितंबर को दिन और रात बराबर हो जाएंगे। दोनों का समय 12-12 घंटे का होगा। इसके बाद से दिन छोटे और रातें लंबी होनी शुरू हो जांएंगी। यही स्थिति 21 मार्च को भी होती है। तब दिन लंबे और रातें छोटी होती हैं।

ब्रह्मांड में सूर्य अपने निर्धारित कक्ष में चक्कर लगाता है। इसकी दिशा उत्तर से दक्षिण रहती है। अपनी धुरी पर 23.5 डिग्री झुकी पृथ्वी सूर्य के चक्कर लगा रही है। 21 मार्च और 23 सितंबर को पृथ्वी की भूमध्य रेखा बिल्कुल सूर्य के सामने पड़ती है, जिससे दिन और रात बराबर हो जाते हैं। इसके बाद सर्दियों के आने की आहट शुरू हो जाती है। दिन छोटे जबकि रातें लंबी होती हैं। 21 मार्च के बाद से गर्मी दस्तक देती है। दिन लंबे और रातें छोटी हो जाती हैं। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञानी डॉ. एसएन सुनील पांडेय ने बताया कि 23 सितंबर को जब सूर्य दक्षिणी गोला?र्द्ध में प्रवेश करता है तो पृथ्वी का मौसम बदल जाता है। इसके पीछे सूर्य और पृथ्वी का सौरमंडल में रोटेशन (नियमित आवर्तन) कारण है। सूर्य की किरणें पृथ्वी पर तिरछी पड़ती हैं। यही वजह है कि 23 सितंबर के बाद गुलाबी ठंडक पड़ने लगती है। 22 दिसंबर और 21 जून की तारीख भी बहुत महत्वपूर्ण मानी जाती है। 21 जून को दक्षिणी ध्रुव सूर्य से सबसे अधिक दूरी पर रहता है। सूर्य की अधिकतम दूरी के कारण सबसे बड़ा दिन होता है, लेकिन इसके विपरीत 22 दिसंबर के दिन सूर्य दक्षिणायण से उत्तरायण की ओर रहता है, जिससे 22 दिसंबर को सबसे छोटा दिन और सबसे बड़ी रात होती है।

औद्योगिक विकास में अब स्वेच्छा से भागीदार बन सकेंगे भू-स्वामी, लैंड पूलिंग नीति को हरी झंडी

लखनऊ, जेएनएन। उद्योगों के लिए आसानी से जमीन जुटाने के लिए उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने बड़ा फैसला किया है। अब लैंड पूलिंग नीति के तहत औद्योगिक विकास प्राधिकरण जमीन जुटा सकेंगे। पॉलिसी के तहत भू-स्वामी औद्योगिक विकास में स्वेच्छा से भागीदार बन सकेंगे। भू-स्वामी से ली गई जमीन का 25 फीसद विकसित भूमि उसे वापस मिल जाएगी जिसे वह किसी दूसरे को हस्तांतरित भी कर सकेगा।

मंगलवार देर शाम कैबिनेट बाईसकुर्लेशन औद्योगिक विकास विभाग की लैंड पूलिंग नीति को मंजूरी दे दी गई। नीति के तहत भू-स्वामी स्वतः ही अपनी जमीन देने के लिए आगे आने को आकर्षित होंगे। नीति के मुताबिक औद्योगिक विकास प्राधिकरणों द्वारा न्यूनतम 25 एकड़ वही भूमि ली जाएगी जो उसके मास्टर या जोनल प्लान के तहत 18 मीटर रोड के आसपास की होगी और जिसके 80 फीसद भू-स्वामी स्वेच्छा से भूमि देने के लिए तैयार होंगे। शेष 20 फीसद भूमि भू-अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम-2013 व अन्य विधि संगत तरीके से हासिल की जाएगी।

भू-स्वामी को पांच वर्ष में जब तक विकसित भूमि नहीं मिलती तब तक फसल व पुनर्वासन के लिए क्षतिपूर्ति के तौर पर प्रतिमाह पांच हजार रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा मिलेगा।

प्राधिकरणों को ले-आउट प्लान स्वीकृति से तीन वर्ष में विकास के कार्य कराने होंगे। नीति में बाई-बैक की व्यवस्था भी रखी गई है जिससे भू-स्वामी आवंटित विकसित भूमि को पांच वर्ष के बाद संबंधित प्राधिकरण को उस समय के भू-उपयोग के लिए लागू दर के 90 फीसद दर पर वापस कर सकेंगे।

भू-स्वामी को मिलेगी 80 फीसद औद्योगिक भूमि : नीति के तहत जमीन देने वाले भू-स्वामियों को उनके द्वारा दी गई कुल भूमि का 25 फीसद विकसित भूमि लाटरी के माध्यम से आवंटित की जाएगी। इसमें से 80 फीसद (न्यूनतम 450 वर्गमीटर) औद्योगिक उपयोग वाली विकसित भूमि होगी। 12 फीसद (न्यूनतम 72 वर्गमीटर) आवासीय तथा शेष आठ फीसद (न्यूनतम 48 वर्गमीटर) वाणिज्यिक भू-उपयोग वाली विकसित भूमि होगी। परियोजना में पड़ने वाले भवन का पीडब्ल्यूडी की दर से मूल्यांकन कर भू-स्वामी को धनराशि दी जाएगी। भू-स्वामियों को अपने पक्ष में विकसित भूमि के आवंटन या पट्टे पर किसी तरह का स्टाम्प ड्यूटी नहीं देना होगा। ऐसी भूमि सबलीज या हस्तांतरण डीड करने के लिए भू-स्वामी स्वतंत्र होंगे लेकिन उस पर स्टाम्प ड्यूटी लगेगी।

ग्रामीण अंचल

प्रयागराज बुधवार, 23 सितम्बर, 2020

संक्षेप समाचार

दबंगों ने घर में घुस महिला सहित युवक को किया लहूलुहान

घूरपुर। इलाके के कंजासा गांव में दबंगों ने घर मे घुसे एक महिला व उसके देवर को मारपीट कर लहूलुहान कर दिया ।मामले की शिकायत पीड़ित ने घूरपुर पुलिस से की तो पुलिस घायलों को इलाज कराने के लिए भेज मामले की जांच कर रही है । घूरपुर क्षेत्र के कंजासा गांव निवासी कमलेश निषाद के घर मे मंगलवार के दिन पड़ोस के आधा दर्जन महिला पुरुष लाठी डंडे लेकर घुस गए ।घर में घुसे हमलावरों ने कमलेश निषाद की पत्नी निर्मला देवी 34 को लाठी डंडो से पीटना शुरू किया तो घर मे भगदड़ मच गई ।इसी बीच निर्मला को बचाने के लिए उसका देवर आया तो उसे भी पीट कर घायल कर दिया ।आरोप है कि दबंगो ने जाते जाते शिकायत करने पर जान से मारने की भी धमकी दी है ।लाठी डंडो की चोट से निर्मला व उसके देवर के सिर में गहरी चोटें आ गई ।पीड़ित पक्ष ने घूरपुर पुलिस से आधा दर्जन महिलाओं व पुरुषों के खिलाफ मारपीट की लिखित शिकायत की है ।पुलिस घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजने के बाद घटना की जांचपड़ताल कर रही है।

65 की हुई कोरोना जाच नही मिले पाजटिव

करछना। मंगलवार को सीएचसी करछना मे 65 लोगो की कोविड 19 की जाच की गई जिसमे सभी की रिर्पोट निगेटिव आने के बाद स्वास्थ्य कर्मियो ने राहत की सास लीएबीते कुछ दिनो से लगातर पाजटिव लोगो की सख्या बढ रही थी किन्तु तीन दिनो मे पाजटिव की सख्या घटने से अस्पताल के डाक्टर और कर्मचारियो ने राहत की सास ली।

चतुरपट्टी गांव में किया गया वृक्षारोपण

बरौत। विकास खंड धनुपुर के गांव चतुरपट्टी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को लेकर दिन वृक्षा रोपण का कार्य किया गया जिसमे वहां मौजूद भाजपा वरिष्ठ नेता डॉक्टर छोटे लाल पांडेय जिला गौ वंश संयोजक, लक्ष्मीकांत तिवारी पूर्वभारतीय किसान संघ तहसील संयोजक, प्रदीप संघ खंड शारीरिक प्रमुख धनुपुर, कृष्ण गोपाल तिवारी ने बहुत ही स्वछता से इस कार्य को संपन्न किया।

किसान अध्यादेश के खिलाफ एयू परिसर में अर्धनग्न प्रदर्शन

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्व विद्यालय के छात्रसंघ भवन के सामने मंगलवार को एनएसयूआई के छात्रों ने किसान अध्यादेश के खिलाफ अर्धनग्न प्रदर्शन किया। इसके बाद पदयात्रा निकालकर भाजपा सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद करने लगे। इसपर पुलिस ने रोका तो छात्रों से तीखी झड़प हुई।

कृषि सुधारों से जुड़े नए कानूनों के खिलाफ एनएसयूआई के कार्यकताओं ने छात्रसंघ भवन पर अर्धनग्न प्रदर्शन किया। हाथों में तख्तियां लिए पहुंचे छात्रों ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए अर्धनग्न ही पदयात्रा निकालने का प्रयास किया। यूनियन गेट पर कारवां बढ़ते ही काफी संख्या में मौजूद पुलिस बल ने रोकने का प्रयास किया। इस पर छात्रों व पुलिस में तीखी झड़प हुई जिसके बाद एनएसयूआई कार्यकताओं का जत्था यूनिवर्सिटी चौराहे की तरफ बढ़ गया।

एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा के नजदीकी कुछ बड़े व्यापारी घरानों को फायदा पहुंचाने के लिए यह कानून लाया गया है। अक्षय क्रांतिवीर ने कहा कि भाजपा सरकार का चाल, चरित्र और चेहरा साफ कर दिया है। इस बिल को राज्यसभा में जिस अलोकतांत्रिक और तानाशाही तरीके से पास करवाया गया वह घोर निंदनीय है। प्रदर्शन में पृथ्वी प्रकाश, प्रभाशंकर पांडेय, हरिकेश हैरी, उदय यादव, सत्यम कुशवाहा, कोमलाक्ष गिरी, गौरव यादव, प्रवीण, धीरेंद्र, विवेक तिवारी, अभिषेक द्विवेदी, आदित्य आदि मौजूद रहे।

किसान अध्यादेश के खिलाफ अर्धनग्न प्रदर्शन करते एनएसयूआई के छात्र

पुलिस ने पकड़ा बाइक चोर, पुलिस कर रही पूछताछ

सैदाबाद। क्षेत्र के धोकरी गांव निवासी बाइक चोर को पुलिस पकड़क र पूछताछ कर रही है। अभी तक आरोपी के खिलाफ पुलिस ने काई कार्यवाही नही की है। आरोपी को बीते रविवार के दिन पकड़ा गया था।

कोतवाली क्षेत्र के धोकरी गांव निवासी राजू पुत्र रामजियावन बीते रविवार के दिन किसी बात को लेकर परिजनो से झगड़ा कर रहा था। परिजनो ने 112 डायल कर पुलिस को बुला लिया ।ग्रामीणो ने बताया कि आरोपी के पास रखी बाइक चोरी की है। ग्रामीणो ने बताया कि अक्सर वह शराब के नशे मे किसी की बाइक उठा ले आता है। मामले मे पुलिस ने बताया कि अभी से पूछताछ की जा रही है।

हालैंड हॉल छात्रावास पर 7.58 करोड़ रुपये बिजली का बिल बकाया, बिशप हाउस पर नोटिस चस्पा

प्रयागराज, जेएनएन। हालैंड हॉल छात्रावास पर बिजली विभाग का 7.58 करोड़ का बकाया है। कई बार नोटिस देने के बाद भी भुगतान नहीं किया जा रहा है। मंगलवार को बिजली कर्मचारी एमजी मार्ग स्थित बिशप हाउस ट्रस्ट के पदाधिकारी को नोटिस देने गए। लेने से इन्कार करने पर नोटिस मुख्य द्वार पर चस्पा कर दी गई। साथ ही डीएम को उपखंड अधिकारी टैगोर टाउन विजय तिवारी ने पत्र लिखा है। भुगतान न होने की दशा में बिशप हाउस की बिजली काटने की बात कही गई है।हालैंड हॉल छात्रावास बिशप हाउस ट्रस्ट की देखरेख में है। इसमें दो कनेक्शन है। एक छात्रावास और दूसरा प्रिंसपल के लिए। लंबे समय से बिजली का भुगतान नहीं किया गया है, जो बढ़कर 7.58 करोड़ को गया है।इसमें पांच करोड़ से अधिक का बिल केवल छात्रावास पर है। इसे लेकर विभाग द्वारा कई बार ट्रस्ट के पदाधिकारी को नोटिस भेजा, लेकिन भुगतान नहीं किया गया। मंगलवार को एसडीओ टीम के साथ एमजी मार्ग स्थित बिशप हाउस पहुंच गए।एसडीओ का कहना है कि छात्रावास में छात्र रहते हैं। ऐसे में अगर छात्रावास की बिजली काटनी पड़ी तो बिशप हाउस की भी बिजली काटी जाएगी।

रेलवे प्रशासन ने अधिग्रहीत जमीन पर बने मकानों को ढहाया

करछना। रेल चौड़ीकरण को लेकर तहसील क्षेत्र के कचरी गाव मे बन रहे फोरलेन कारीडोर परियोजना मे अधिग्रहित की गई जमीन पर बने मकानो को राजस्व टीम ने पुलिस के साथ मकान गिरवाया जबकि कुछ किसान मुआवजा न मिल पाने से मकान नही गिरने दिया। कचरी गांव के कुछ किसान रेलेव मे अधिग्रहित जमीन और मकान का मुआवजा पाने के बावजूद रेलवे विभाग द्वारा बार.बार नोटिस दिए जाने के बावजूद अपने मकानो को खाली नही कर रहे थे जिससे रेलवे के अधिकारी ने राजस्व टीम के साथ मौके पर पहुचकर अधिग्रहित की जमीन मे बने मकानो को जेसीबी लगाकर गिरवा दिया गया।बताया जाता है कि उक्त गाव मे 16 लोगो के मकान अधिग्रहण के दायरे मे आया था जिसमे विभाग द्वारा सभी को मुआवजा दिया गया लेकिन किसानो का आरोप है कि सर्किल रेट से भुगतान किया गया है जबकि किसान आवासीय रटे से मुआवजे की माग कर रहे है।टीम को देखते ही लोग घरो से अपने सामान को बाहर निकाला और लोगो ने कार्यवाही के प्रति एतराज नही किया।

करछना के कचरी में रेलवे विभाग ने गिराए किसानों के मकान

मौजूद पुलिस व रेलवे के अधिकारी

कोटेदार की मनमानी की शिकायत तहसीलदार से

कोरांव। कोरांव तहसील के अंतर्गत बिरहा करपिया के कोटेदार की मनमानी की शिकायत ग्रामीणों ने तहसीलदार से की है। जिसपर तहसीलदार ने जाँच करने का आश्वासन ग्रामीणों को दिया।

उक्त गांव के कोटेदार प्रेम शंकर आदिवासी पर शिकायतकर्ताओ ने आरोप लगाया है कि अपने मनमानी पर उतारू रहता है। आये दिन नशे की धुत पर कार्डधारकों को गाली देता है और महिलाओं के साथ अभद्रता करता है। आरोप है कि कोटेदार कार्डधारकों से कहता है कि मेरा कोई कुछ नही कर पायेगा। इसके अलावा कार्ड धारकों को सूची से नाम कटवाने की धमकी भी देता है। बिरहा करपिया गांव के कार्डधारक सीमा देवी, कुसुम कली, श्याम कली, चन्द्र कली, सूर्य कली, शिव कली, अंजली, रामकली, अमरावती, तुलसीदास, लाल बहादुर, सोने लाल, राजसरन सिंह, राजेश कुमार, अमरजीत, लालती व शिवपूजन सहित दर्जनों की संख्या में लोग तहसील पहुचकर तहसीलदार अनिता देवी शिकायत की है। कार्डधारकों ने कहा कि उक्त कोटेदार के विरुद्ध जांचकर कार्यवाही करे। बताते चले कि वर्तमान समय मे कोटेदारों की मनमानी चरम पर है। जिम्मेदार अधिकारियों की मिलीभगत से कार्डधारकों को फजीहत झेलना पड़ता है।

कोटेदार के विरुद्ध तहसीलदार से शिकायत करते ग्रामीण

महिला ने चौकी इंचार्ज बरौत पर लगाया अभद्रता का आरोप

बरौत। बाजार की रहने वाली एक महिला ने चौकी इंचार्ज बरौत व दो सिपाहियों पर अभद्रता का अरोप लगाते हुए एसएसपी प्रयागराज व महिला आयोग से शिकायत किया । बरौत के चौहान बस्ती की रहने वाली संगीता देवी पत्नी भगवान चौहान ने आरोप लगाते हुए एसएसपी तथा महिला आयोग में शिकायत दर्ज कराया कि 11 सितम्बर की रात चौकी इंचार्ज बरौत तथा दो सिपाही घर पर पहुँचे और मेरे पति को पूछने लगे। यह बताया गया कि घर में खाना खा रहे हैं तो पुलिस अन्दर घुस गयी इसका जब विरोध किया तो महिला को मारे पीटे तथा उसका आरोप है कि मेरे पल्लू को पकड़ कर खींच लिया और ब्लाउज को फाड़ दिया। उसके पति को पकड़कर चौकी ले आये और मारे पीटे तथा रात 12 बजे छोड़ भी दिये । चौकी प्रभारी रजनीकान्त ने बताया कि आरोप बेबुनियाद है महिला के बेटे ने बाजार के एक लड़के से मारपीट किया था पूछताछ के लिए उसे बुलाया था किन्तु वह नही आया उसे बुलाने के लिए चौकी के सिपाही गये थे मैं गया भी नही था।

संक्रमण को हराकर घर पहुंची सांसद रीता जोशी, 14 दिन घर में रहेंगी क्वारंटाइन

प्रयागराज। इलाहाबाद की सांसद प्रो. रीता बहुगुणा जोशी ने कोरोना को मात दे दी है। वह अब स्वस्थ हो चुकी हैं। सोमवार को उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया। अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद वह दिल्ली स्थित आवास पर हैं। डाक्टरों की सलाह पर वह दो हफ्ते तक होम क्वारंटाइन रहेंगी। सांसद के मीडिया प्रभारी अभिषेक शुक्ला ने बताया कि प्रो. रीता जोशी अपने परिवार के साथ दिल्ली आवास पर आ गई हैं। इस दौरान कोई उनसे अपनी समस्या या शिकायत दर्ज कराना चाहता है तो कैंप कार्यालय में फोन कर सकता है।

लगभग 15 दिन पहले प्रयागराज की सांसद प्रोफेसर रीता बहुगुणा जोशी की कोरोना वायरस के संक्रमण की रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। पिछले दिनों लखनऊ में रहने के दौरान उन्हें कुछ तकलीफ हुई तो जांच कराई गई। रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर पीजीआई लखनऊ में भर्ती कराया गया था। लेकिन बाद वह दिल्ली के मेदांता अस्पताल में भर्ती हो गईं थीं। रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद उनको सोमवार को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। डॉक्टरों की सलाह पर अब वह दो सप्ताह तक घर में ही क्वारंटाइन रहेंगी। इस दौरान कोई उनसे कैंप कार्यालय पर फोन पर शिकायत या समस्या दर्ज करा सकता है।

हाईकोर्ट समाचार

वाराणसी बाईपास के लिए हो रहे ध्वस्तीकरण के खिलाफ याचिका खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वाराणसी बाईपास के लिए हो रहे ध्वस्तीकरण के खिलाफ दाखिल याचिका पर हस्तक्षेप करने से इंकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा है कि ऐसे मामले में भूमि स्वामित्व का मामला तथ्य का विषय है, जिस पर हाईकोर्ट में याचिका उचित फोरम नहीं है। याची कानून के तहत इस मामले में भूमि स्वामित्व को लेकर उचित कार्रवाई कर सकता है। यह आदेश न्यायमूर्ति एस पी केशरवानी तथा न्यायमूर्ति जयंत बनर्जी की खंडपीठ ने मनोज सोनकर व 42 अन्य की याचिका को खारिज करते हुए दिया है। याचियों का कहना था कि बिना मुआवजा दिये उनके निर्माण ढहाये जा रहे हैं। राज्य सरकार के स्थाई अधिवक्ता ने कहा कि याचियों का अवैध कब्जा है। जमीन डिफेन्स की है। उस जमीन पर 80 लोगों का अवैध कब्जा पाया गया है। 10 लोगों ने मलबा का मुआवजा लेने पर सहमति दी है। भू स्वामित्व न होने के कारण भूमि का मुआवजा नहीं दिया जा सकता। कोर्ट ने इस कारण इस मामले में हस्तक्षेप करने से इंकार कर दिया है।

माफिया उमाकांत यादव की जमानत अर्जी पर जवाब तलब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पूर्व सांसद उमाकांत यादव की जमानत अर्जी पर राज्य सरकार से छह हफ्ते में जवाब मांगा है। इनके खिलाफ 27 सितम्बर 19 को आजमगढ़ के फूलपुर थाना क्षेत्र में स्थित गांधी आश्रम पूराहादी अम्बारी का ताला तोड़कर कागजात व सामान चुरा लेने व अवैध कब्जा कर लेने का आरोप है। सरायमीर गांधी आश्रम के इंचार्ज लालचंद्र यादव ने एफआईआर दर्ज करायी है। यह आदेश न्यायमूर्ति नीरज तिवारी ने दिया है। कोर्ट ने अर्जी को सुनवाई के लिए आठ हफ्ते बाद पेश करने का निर्देश दिया है।

बीएचयू के पास बहुमंजिली इमारतों का निर्माण रोकने की याचिका पर हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

प्रयागराज। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के पास बहुमंजिला रिहायशी इमारतों का निर्माण रोकने की मांग में दाखिल जनहित याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रदेश सरकार और बनारस विकास प्राधिकरण से चार सप्ताह में जवाब मांगा है। इस मामले को लेकर योगेश कुमार संत ने जनहित याचिका दाखिल की है। याचिका पर न्यायमूर्ति शशिकांत गुप्ता और न्यायमूर्ति संजय कुमार पचौरी की खंडपीठ ने सुनवाई की। याची का कहना है कि बीएचयू के पास बहुमंजिला रिहायशी इमारता की निर्माण किया जा रहा है जो पर्यावरण की दृष्टि से उचित नहीं है। इससे विश्वविद्यालय के पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इसलिए इमारत का निर्माण रोका जाए। कोर्ट ने मामले को विचारणीय मानते हुए चार सप्ताह में जवाब तलब किया है।

एआईकेएमएस ने किसान कानून के विरोध में निकाली रैली फूंका पुतला

घूरपुर। अखिल भारतीय किसान मजदूर सभा ने सरकार द्वारा पारित किसानों के तीनों कानूनों के खिलाफ हाथों में बैनर व तख्तियों में लिखे स्लोगन लेकर सैकड़ों किसानों, मजदूरों और बालू मजदूरों ने रैली इलाके के बीकर, देवरिया, दलवाबारी गांव में निकाल नारेबाजी करते हुए केन्द्र सरकार द्वारा पारित किसान तीन कानूनों का विरोध किया।

वक्ताओं ने कहा कि यह कानून आवश्यक वस्तु, मंडी समीति व ठेका खेती से सम्बंधित हैं। और यह विदेशी कम्पनियों व बड़े कापोर्रेटों को गांव की मंडियों में अपनी निजी मंडियां लगाकर खेती की पैदावार, फसल की बिक्री, परिवहन, भंडारण, प्रसंशकरण व बाजार पर नियंत्रण स्थापित करने की अनुमति देते है। इस विरोध में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा केवल प्रयागराज जिले के यमुना नदी में बालू खनन में नाव से बालू पर प्रतिबन्ध लगाने के 24 जून 2019 के शासनादेश का भी विरोध किया गया। बताया कि इस कानून में लाखों बालू मजदूरों को बेरोजगार कर दिया है ।और वे रोजी-रोटी कमाने के संकट से गुजर रहे हैं। नेताओं ने योगी सरकार की संवेदनहीनता की निंदा की है। रैली के अंत में इन कानूनों व सरकारी आदेशों का पुतला फूंककर विरोध दर्ज कराया गया।

कहा कि यह अभियान एआईकेएससीसी द्वारा चलाये जा रहे खेती के तीन कानूनों, बिजली बिल 2020 जो बिजली के दाम ढाई गुना बढ़ा देगा तथा डीजल, पेट्रोल के दाम में की गई तेज वृद्धी पर एआईकेएससीसी के आंदोलन का हिस्सा है। 25 सितम्बर को उ.प्र. के ग्रामीण इलाकों में बड़ी-बड़ी सभायें व कुछ जगहों पर बंदी का आयोजन किया जायेगा। सभा का नेत्रृत्व सुरेश निषाद व विनोद निषाद ने किया। रैली में राम मूरत निषाद, संजय निषाद, दीपचंद निषाद, श्याम बाबू, राम आसरे, पंचम, बसंती देवी, किरन देवी तारा मनी विमला देवी आदि सैकड़ो लोग शामिल रहे।

केन्द्र सरकार का पुतला फूंकते हुए

दबंगों द्वारा पंचायत भवन की सीमांकित जमीन पर कब्जा

हंड़िया । ग्राम सभा कनकपुर मवैया सैदाबाद हंडिया प्रयागराज में, उ.प्र. सरकार द्वारा पंचायत भवन का निर्माण कार्य कराया जाना है। जिसके लिए हल्का राजस्व व चकबंदी लेखपाल ग्राम पंचायत अधिकारी सैदाबाद व ग्राम प्रधान एवं अन्य ग्रामीण के समछ गाटा स.131बचत खाते की बंजर जमीन का सीमांकन करके पत्थर गड्डी कि जिसमें पंचायत भवन का निर्माण कार्य कराया जा सके । लेकिन ग्राम सभा कि बंजर खाते की जमीन पर दलान बनाकर व छप्पर रख कर अवैध रूप से निवास कर रहे रामबहादुर यादव, सूबेदार यादव पुत्र दुखरन यादव व इन्हीं के परिवार के द्वारा कब्जा बना हुआ है इन्हीं लोगो के द्वारा पत्थर गड्डी को उखाड़ कर फेंक दिया गया । और काम करने गए नरेगा मजदूरों को भगा दिया गया। और सरकारी कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार किया जा रहा है जिससे पंचायत भवन के निर्माण में व्यवधान उत्पन्न हो रहा है । विकास खंड अधिकारी के निर्देश पर ग्राम पंचायत अधिकारी अनिल बरनवाल ने थाने में तहरीर देकर उक्त लोगो के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की बात कही जिससे जमीन को खाली कराकर पंचायत भवन का निर्माण कराया जा सके ।

प्रयागराज हलचल

संक्षेप समाचार

दहेज के लिए विवाहिता को मारपीट कर भगाया

मऊआइमा। निरंतर अतिरिक्त दहेज की मांग न पूरी होने पर विवाहिता को ससुरालियों ने मार पीट कर भगा दिया। विवाहिता ने पति सहित चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है । प्राप्त जानकारी के अनुसार मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम धरौता निवासनीय आमीता पटेल पत्नी रजनीश पटेल का कहना है कि शादी के बाद से ससुराली उससे अतिरिक्त दहेज की मांग करते चले आ रहे थे। दहेज की मांग न पूरा होने पर उसका निरंतर उत्पीड़न करते चले आ रहे हैं। अमिता पटेल का आरोप है कि ससुराली उसे मार पीट कर भगा दिए। अमिता पटेल ने मऊआइमा थाने में पति रजनीश पटेल, ससुर रामचन्द्र , सास लालती देवी, चचिया जेठमलानी गोविन्द के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज करा दी है।

सपा कार्यकर्ताओं को मिली जमानत, रिहा

प्रयागराज। समाजवादीपार्टी के युवा नेता मयंक यादव उर्फ जोन्टी सहित अन्य कार्यकर्ताओं को मंगलवार को जमानत पर रिहा कर दिया गया। मालूम हो कि गत 21 सितम्बर को बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं, ध्वस्त कानून व्यवस्था आदि मुद्दों को लेकर तहसील सदर में ज्ञापन देने जा रहे सपाईयों को पुलिस ने जबरन गिरफ्तार कर शान्ति भंग सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया था। सपा के महानगर अध्यक्ष सैयद इफ्तेखार हुसैन एडवोकेट एवं महासचिव रवींद्र यादव एडवोकेट के प्रयास से सक्षम मजिस्ट्रेट (ए सी एम2) द्वारा आज सभी सपा कार्यकर्ताओं की जमानत मंजूर कर ली गई और नैनी जेल से रिहा कर दिया गया।

माफिया अतीक के आवास पर चला बुलडोजर

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद के खिलाफ मंगलवार को अबतक की सबसे बड़ी कार्रवाई प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने की। अवैध रूप से बने अतीक के आवास के कुछ हिस्से को बुलडोजर लगाकर गिरा दिया गया।

खुल्दाबाद के चकिया स्थित पूर्व सांसद अतीक अहमद के आवास पर अबतक एडीए के अधिकारियों ने अतिक्रमण हटाने की कोई कार्रवाई नहीं की थी। लेकिन सूबे की सत्ता बदलते ही माफिया अतीक के खिलाफ कार्रवाई तेज करते हुए योगी सरकार की नीतियों के तहत एक मामले गिरफ्तार करके जेल भेज दिया गया। वर्तमान में अतीक अहमद गुजरात के अहमदाबाद जेल में एक वर्ष से बन्द है। अतीक गैंग के खिलाफ कार्रवाई हो रही है। अतीक एवं उनके करीबियों के खिलाफ योगी सरकार का सिकंजा कहता जा रहा है।

अभियान के तहत जिलाधिकारी भानु चन्द्र गोस्वामी के निर्देश पर प्रयागराज विकास प्राधिकरण एवं नगर निगम के अधिकारियों ने अवैध कब्जे एवं अनाधिकृत निर्माण को चिन्हित करके,उसे ध्वस्त किया जा रहा है।

मकान तोड़ता जेसीबी

अतीक अहमद के आवास पर मंगलवार को पहली बार प्रशासन का बुलडोजर चला। इस दौरान कई थानों की पुलिस एवं पीएसी के साथ पीडीए के अधिकारी पहुंचे और कार्रवाई शुरू कर दी है। माना जा रहा है कि अबतक की सबसे बड़ी कार्रवाई आज की जा रही है।

पीडीए के अधिकारियों का कहना है कि अतीक अहमद के आवास का कुछ हिस्सा वगैर नक्शा पास कराए ही बनवाया गया है। जिसे गिराने की कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन ने अतीक एवं उनके करीबियों द्वारा सोरांव क्षेत्र में करोड़ों की जमीन हड़पकर कब्जा किया है। उसको भी चिन्हित किया जा रहा है। अतिशीघ्र उस पर भी कार्रवाई की जाएगी। अपर पुलिस अधीक्षक नगर दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि पीडीए और नगर निगम के द्वारा अवैध निर्माण का ध्वस्ती करण की कार्रवाई की जा रही है।

अतीक अहमद का आवास ढहाता जेसीबी

अभाविप के नगर इकाई नयी कार्यकारिणी का हुआ गठन

प्रयागराज। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने महानगर मंत्री अनुपम त्रिपाठी के नेतृत्व में शहर पश्चिमी नगर इकाई की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें नगर अध्यक्ष शैलेन्द्र पाण्डेय को चुना गया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है। अपने कार्य विस्तार के लिए महानगर में आने वाले नगरों की इकाई गठित करता है। इसी संदर्भ में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के महानगर मंत्री अनुपम त्रिपाठी के नेतृत्व में शहर पश्चिमी नगर स्थित प्रीतम नगर में नगर के कार्यकताओं की बैठक हुई, जिसमें सर्वसम्मति से शहर पश्चिमी की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की गई।

चुनाव अधिकारी के रूप में प्रांत कार्यकारिणी सदस्य अमित रहे। इस दौरान चुनाव अधिकारी ने नगर अध्यक्ष के रूप में शैलेंद्र पांडेय को चुना गया। साथ ही नगर उपाध्यक्ष के लिए साधना, दिलीप पांडेय, अभी सिंह व सागर प्रजापति तथा नगर मंत्री के लिए मिथुन निषाद, नगर सह मंत्री सोम दिवाकर, विराट निषाद शुभम श्रीवास्तव व सूरज निषाद, नगर छात्र प्रमुख वैष्णवी सिंह, नगर छात्रा सह प्रमुख पलक खान, नगर सोशल मीडिया संयोजक तन्मय दुबे को चुना गया। नगर स्टूडेंट फॉर डेवलपमेंट संयोजक शेखर निषाद, सह संयोजक प्रशांत द्विवेदी, नगर स्टूडेंट फॉर सेवा संयोजक दिनेश पाल, सह संयोजक अमित यादव, नगर कला मंच संयोजक अदम्य द्विवेदी, सह संयोजक गोविंद निषाद, नगर कोचिंग संयोजक शिवम मिश्रा को चुना गया। नगर कार्यकारिणी सदस्य में सिद्धार्थ सिंह, पंकज कुमार, सुनील निषाद, सूरज साहनी, अनुज कुशवाहा, अमर निषाद, जतिन यादव रहे।

अभाविप की नयी कार्यकारिणी के सदस्य

विधायक का वादा फेल नजर आता

लालापुर। ये वादा उस समय का है जब विधान सभा का चुनाव जीते थे। लालापुर 2017 के रविवार का दिन था विधायक बारा डॉक्टर अजय कुमार का जीत के बाद पहला भ्रमण लालापुर क्षेत्र में हुआ ।लालापुर चौराहे पर जन शिकायत चौपाल का कार्यक्रम हुआ ग्रामीणों ने विधायक का जोर दार स्वागत भी किये।कार्यक्रम में बोलते हुये विधायक डॉक्टर अजय कुमार ने कहा कि मनकामेश्वर धाम में भगवान शंकर का आशीर्वाद लेकर मैने चुनाव प्रचार शुरू किया और जीतने के बाद सर्वप्रथम भगवान शंकर का आशीर्वाद लिया। लालापुर क्षेत्र की जनता का मैं बहुत बड़ा आभारी हूं।लालापुर क्षेत्र का विकाश मेरे लिये सर्वोपरि रहेगा।विधायक निधि के पहले फंड से लालापुर में मिनी पानी की टँकी का निर्माण किया जाएगा।क्षेत्र की सभी सड़के दो माह में गड्ढा मुक्त हो जाएगी। अस्पतालों में डॉक्टरों की व्यवस्था, बिजली,एवं पेयजल की समस्या मेरी प्राथमिकता में है आये वादा किये जो अभी तक नहीं पुरा हुआ सभी गांवो में चौपाल लगाकर जन जन की समस्याओं को सुनकर निराकरण कराना हमारी प्राथमिकता में है। और सैकड़ों लोग उपस्थित थे ।

अतीक का कोल्ड स्टोर ढहाने में नहीं होगा डायनामाइट का इस्तेमाल

प्रयागराज, जेएनएन। झूंसी थाना क्षेत्र में अंदावा चौराहे के पास कटका गांव स्थित अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन के नाम से खोला गया कोल्ड स्टोर डायनामाइट से नहीं, बल्कि पोकलैंड व जेसीबी की मदद से ही पूरी तरह ढहाया जाएगा। विस्फोटक पदार्थ से दूसरों की संपत्ति को खतरा होने और अन्य संभावित नुकसान को देखते हुए प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने रणनीति बदल दी है। इस बीच मंगलवार को तीसरे दिन भी कोल्ड स्टोर से अमोनिया गैस को पानी में घुलनशील किए जाने यानी डिजाल्व करने का काम किया जाता रहा।

अवैध निर्माण घोषित कोल्ड स्टोर में रखी 23 हजार बोरी आलू बाहर निकलवाने के बाद हाल ही में इसे गिराने की कार्रवाई की गई, मगर मोटी दीवार और मजबूती के कारण जेसीबी खराब होने लगी। इसके बाद पीडीए के अधिकारियों इसे डायनामाइट से उड़ाने पर विचार किया। मेजा क्षेत्र में सक्रिय विशेषज्ञों से बात की गई। एक्सपर्ट ने जायजा लेने के बाद कुछ तकनीकी दिक्कत और अन्य खतरा बताया। कहा गया कि इसके लिए भोपाल से विशेषज्ञों को बुलाना पड़ेगा। पीडीए के अधिकारियों ने काफी मंथन करने के बाद अपनी रणनीति बदल दी। अब तय हुआ है कि धीरे-धीरे ही सही अब कोल्ड स्टोर को जेसीबी व पोकलैंड के जरिए ही पूरी तरह जमींदोज किया जाएगा। पीडीए के जोनल अफसर सतशुक्ला का कहना है कि विशेषज्ञों से सुझाव मांगे गए थे, मगर अब कार्रवाई मैनुअल ही की जाएगी। इस बीच परिसर में अमोनिया गैस का प्रभाव कम करने के लिए अग्निशमन कर्मी जुटे हुए हैं। यह काम पूरा होते ही इसे ढहाने की कार्रवाई दोबारा शुरू होगी।

कर्ज से परेशान दुकानदार ने ट्रेन से कटकर की आत्महत्या

प्रयागराज। बारा थाना क्षेत्र के धुरमी रेलवे क्रासिंग के समीप मंगलवार दोपहर कर्ज से परेशान दुकानदार ने ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की। बारा गांव निवासी विनोद जायसवाल (47) पुत्र स्वर्गीय भाईलाल एक पुत्र और एक पुत्री एवं पत्नी मुन्नी देवी के भरण-पोषण के लिए एक किराने की दुकान चलाता था। बताया जा रहा है कि वह कर्ज से परेशान हो चुका था। मंगलवार की सुबह घर से वगैर बताए निकला और वापस नहीं लौटा। कुछ देर बाद परिजनों को खबर मिली कि उसकी ट्रेन से कटकर मौत हो गई। घटना की खबर मिलते ही परिवार के लोग पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की।

प्रयाग में फिल्म सिटी बनने से दस हजार बेरोजगारों को मिलेगा रोजगार

प्रयागराज। फिल्म सिटी को लेकर मुख्यमंत्री आवास पर मंगलवार को फिल्म दुनिया से जुड़े हुए कलाकारों, संगीतज्ञ की एक लंबी बैठक हुई है।

रजनीकांत श्रीवास्तव ने कहा है कि स्थानीय प्रशासन नजूल की भूमि नगर निगम जेल विभाग प्रयाग विकास प्राधिकरण यूपीएसआईडीसी व अन्य महत्वपूर्ण विभाग जिनके पास फालतू पड़े हुए भूमि हैं वह त्वरित गति से प्रस्ताव बनाकर प्रदेश सरकार को शीघ्र भेजें और अपना तर्क संगत फिल्म सिटी में क्या हो सकता है, जो प्रयाग की माटी में मौजूद है। जिससे प्रयाग में फिल्म सिटी बन सके। प्रदेश की संस्कृति का केंद्र जहां उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, आकाशवाणी, दूरदर्शन, प्रयाग संगीत समिति सहित संगीत एवं फिल्मी दुनिया की शिक्षा मिलती हो, ऐसा इलाहाबाद विश्वविद्यालय है। जहां दस हजार से अधिक लोक कला संस्कृति को प्रस्तुत करने वाले विभिन्न विभागों के माध्यम से पंजीकृत कलाकार जहां का उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र देश के प्रमुख सात राज्यों के कलाकारों को संचालित एवं प्रशिक्षित करता हो, प्रयागराज में फिल्म शूट करने के लिए प्राकृतिक पहाड़, नदी, जंगल और भूमि उपलब्ध है। जिस पर स्टूडियो बनाया जा सकता है। प्रयागराज के बिहार से सटे दक्षिण सीमावर्ती विंध्याचल की पहाड़ी व मध्य प्रदेश से लगी भूमि पर कई नदियां पहाड़ स्थित है। फिल्में प्री प्रोडक्शन और पोस्ट प्रोडक्शन में तकनीकी रूप से दक्ष लोगों तथा कम्प्यूटर के जानकारों की जरूरत होती है। यहां कई संस्थान हर वर्ष हजारों तकनीकी रूप से युवकों को पढ़ा कर दक्ष करते हैं। उक्त के अलावा बहुत सारी बातें फिल्म सिटी के लिए प्रयागराज में अनुकूल है। प्रयागराज से कई कार्यालय मुख्यालय लखनऊ चले गए, जिससे प्रयागराज की अस्मिता और विरासत को ठेस पहुंची है। फिल्म सिटी अगर प्रयागराज में बनती है तो यह जख्मों में बड़ा मलहम होगा। इस अवसर पर नवनीत श्रीवास्तव, शैलेश मधुर, प्रियांशु श्रीवास्तव, आभा श्रीवास्तव, विकास श्रीवास्तव, संतोष सिंह, शैलेश त्रिपाठी, अनुराग श्रीवास्तव, विपुल कुमार, अनूप श्रीवास्तव, नेहा शर्मा, सनी गुप्ता, सुधीर शर्मा, अमन पांडे, मनीष श्रीवास्तव आदि लोगों ने प्रयाग में बने फिल्म सिटी के लिए अभियान की शुरूआत कर दी है।

भाजपाइयों ने खोला औद्योगिक क्षेत्र पुलिस के खिलाफ मोर्चा, आईजी जोन को सौंपा ज्ञापन

नैनी । भाजपा मंडल अध्यक्ष सिरसा श्यामराज यादव को टोल प्लाजा के विवाद में प्राथमिकी दर्ज होते ही तत्काल बिना विवेचना के गिरफ्तारी व दूसरे पक्ष के टोल प्लाजा के मैनेजर सहित अन्य अभियुक्तों की एक माह बाद भी विवेचना व गिरफ्तारी न होने पर भाजपाइयों में पुलिस प्रशासन के ऊपर भारी आक्रोश व्याप्त है। भाजपा यमुनापार के जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि जिलाध्यक्ष विभवनाथ भारती के निदेर्शानुसार भाजपा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शोभनारायण द्विबेदी व वरिष्ठ भाजपा नेता विभूति नारायण सिंह के साथ जिला पदाधिकारियों का प्रतिनिधि मंडल मंगलवार को आईजी जोन कबीन्द्र प्रताप सिंह से मुलाकात कर वार्ता करते हुए मंडल अध्यक्ष सिरसा के ऊपर लगे आरोपों की और टोल प्लाजा मैनेजर के गिरफ्तारी न होने की निष्पक्ष जांच कराने, टोल प्लाजा मुंगारी, टोल प्लाजा गन्ने हर्रो रीवां रोड, टोल प्लाजा जसरा गौहनिया,आदि जगह कर्मचारियों व गुंडों से अबैध बसूली पर तत्काल कार्यवाही करने के साथ ही औधोगिक क्षेत्र के इंस्पेक्टर व चौकी प्रभारी रामपुर के व अन्य संलिप्त दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। आईजी केपी सिंह ने तत्काल सभी बिन्दुओं को संज्ञान में लेते हुए त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया। जिला प्रतिनिधि मंडल मे मुख्य रूप से इंजी. जगदीश यादव, राजेश्वरी तिवारी, त्रिवेणी प्रसाद पाण्डेय, जय सिंह पटेल, दिलीप कुमार चतुवेर्दी, संतोष त्रिपाठी, सविता त्रिपाठी, विजय शंकर शुक्ला, प्रकाश शुक्ल प्रचंड, सुरेश शुक्ला, हरिदेव धूरिया, मनोज गुप्ता आदि के साथ मंडल अध्यक्षगण भी उपस्थित रहे।

आईजी से वार्ता करते भाजपा कार्यकर्ता

टोल प्लाजा मैनेजर व अन्य पर दर्ज है रिपोर्ट औद्योगिक क्षेत्र थाने में टोल प्लाजा मैनेजर व अन्य लोगों के खिलाफ धारा 147/307/386/504/506/427 की 22 अगस्त से प्राथमिकी दर्ज है। संबंधित थानाध्यक्ष व चौकी प्रभारी ने न तो विवेचना किया और न ही गिरफ्तारी की।

उमरे मुख्यालय में ऑन लाइन "स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिता" का आयोजन

प्रयागराज। हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में उत्तर मध्य रेलवे, मुख्यालय में आयोजित राजभाषा पखवाड़े के अंतर्गत ऑन लाइन "स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिता" का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में महाप्रबंधक कार्यालय सहित मंडलों एवं कारखानों के विभिन्न विभागों में कार्यरत कर्मचारियों ने अत्यंत उत्साह से भाग लिया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों ने समसामयिक एवं सामाजिक सरोकार से संबंधित विषयों पर गीत, गजल, कविता के माध्यम से अपने विचार व्यक्त किए।

इस प्रतियोगिता में प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक एम.एन. ओझा तथा मुख्य मोटिव पावर इंजीनियर/डीजल अनिल कुमार द्विवेदी निर्णायक के रूप में उपस्थित थे। इस प्रतियोगिता में श्याम श्रीवास्तव, वरिष्ठ तकनीशियन/ दूरसंचार, डबरा को प्रथम स्थान, श्री पी. के. ओझा, निरीक्षक/रेल सुरक्षा बल, कानपुर को द्वितीय स्थान तथा जितेन्द्र सिंह, कार्यालय अधीक्षक, परिचालन शाखा, मुख्यालय को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। निर्णायक मंडल के सदस्यों ने प्रतिभागियों द्वारा काव्यपाठ हेतु चुने गए पारंपरिक एवं समाकालीन वण्य विषयों की सराहना की। इस प्रतियोगिता का संचालन राजभाषा अधिकारी श्री यथार्थ पाण्डेय द्वारा किया गया तथा वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी, चन्द्र भूषण पाण्डेय द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस अवसर पर अपने उद्गार व्यक्त करते हुए मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक महेन्द्र नाथ ओझा ने कहा कि कविता में शब्द विधान छोटे, सहज और धारदार होने चाहिए। कविता को पढ़ने और सुनने के बीच फासला नहीं होना चाहिए। प्रकट तौर पर अप्रस्तुत विधान ही कविता का मूल उपकरण है। आज के युग में कविता में निरी उपदेशात्मकता स्वीकार्य नहीं है। कविता की सफलता इसी बात में निहित है कि अलंकार, रस, विम्ब, शब्द जैसे पारंपरिक काव्य उपादानों से भी श्रोता के मन में समसामयिक अर्थ और प्रसंग उद्भासित हो उठें। इस क्रम में दूसरे निर्णायक मुख्य मोटिव पावर इंजीनियर/ डीजल अनिल कुमार द्विवेदी ने कहा कि हमारी रेलवे में बहुत से प्रतिभाशाली कवि और साहित्यकार रेलकर्मी हैं, जिनमें निरंतर उत्कृष्ट रचनाशीलता की बड़ी संभावनाएं हैं। कविता में व्यंजना और लक्षण शक्ति का विशिष्ट महत्व होता है और ये काव्य गुण एक श्रेष्ठ कवि के परिचायक हैं। उत्तर मध्य रेलवे के मुख्यालय में 14 सितंबर से आयोजित राजभाषा पखवाड़े के अंतर्गत 23 सितंबर को अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए राजभाषा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

प्रतियोगिता में उपस्थित उमरे के अधिकारी

एमएससी अंतिम सेमेस्टर की परीक्षा कल से

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय एवं संबद्ध कॉलेजों में परास्नातक एवं प्रोफेशनल कोर्स के अंतिम सेमेस्टर की परीक्षा भी ऑनलाइन कराई जाएगी। इसके लिए मंगलवार को परीक्षा नियंत्रक ने विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया है। बुधवार यानी 23 सितंबर को कॉग्नेटिव साइंस की परीक्षा होगी। एमएससी की परीक्षा द्वितीय पाली में 1 से 5 बजे के मध्य होगी। एमएससी की परीक्षा 16 अक्तूबर को होगी। परीक्षा नियंत्रक की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार एमए अंतिम सेमेस्टर की परीक्षा प्रथम पाली में 10 से 2 बजे के बीच होगी। 28 सितंबर से दर्शनशास्त्र विषय की परीक्षा होगी और 9 अक्तूबर को मानव विज्ञान विषय से समाप्त होगी। वहीं, एलएलएम अंतिम सेमेस्टर की परीक्षाएं 28 एवं 29 सितंबर को होंगी। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के अंतिम सेमेस्टर की परीक्षाएं बीवोक से 28 सितंबर से प्रारंभ होंगी। समापन 15 अक्तूबर को होगा। वहीं, एमएड की परीक्षाएं 5 से 9 अक्तूबर तक और बीएड की 6 से 9 अक्तूबर तक चलेंगी। परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि सभी परीक्षाएं 16 अक्तूबर तक पूरी हो जाएंगी। प्रयोगात्मक परीक्षा ऑनलाइन मोड में कराई जाएंगी। वाइवा के जरिए छात्रों को प्रयोगात्मक परीक्षा के अंक दिए जाएंगे। इलाहाबाद विश्वविद्यालय एवं संबद्ध कॉलेजों में बीकॉम अंतिम वर्ष की परीक्षा मंगलवार को समाप्त हो गई है। परीक्षा नियंत्रक प्रो. रमेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मंगलवार को प्रथम पाली में बीए के हिन्दी और उर्दू विषय की परीक्षा संपन्न हुई। वहीं, द्वितीय पाली में बीकॉम की परीक्षा हुई। तकरीबन 2100 छात्र ऑनलाइन परीक्षा में शामिल हुए। तकरीबन पांच छात्रों ने परीक्षा नियंत्रक कार्यालय पर आकर उत्तरपुस्तिका जमा की। कई छात्रों ने आज भी उत्तरपुस्तिका की एक से अधिक पीडीएफ फाइल अपलोड की है।

अखण्ड भारत सन्देश

प्रयागराज बुधवार, 23 सितम्बर, 2020

क्रियायोग सन्देश

स्वरूप दर्शन आध्यात्मिक ग्रंथों में निहित सत्य जानने का मार्ग

प्राचीन काल से ऋषि-मुनि और सभी अवतारों ने मनुष्य जीवन का मुख्य लक्ष्य स्पष्ट किया है । प्रत्येक मनुष्य का लक्ष्य आत्म अनुभूति है । इसे ही ईश्वर अनुभूति कहा गया है । प्रत्येक मनुष्य प्रतिपल और अधिक शक्ति, ज्ञान, शांति व अमरता की खोज में लगा हुआ है । इसी खोज को आत्म अनुसंधान या ईश्वर की खोज कहा गया है । क्रियायोग ध्यान में निर्विकल्प समाधि अनुभव होते ही यह स्पष्ट हो जाता है कि स्वरूप अनुभूति और आत्म अनुभूति में कोई अंतर नहीं है । स्वरूप अनुभूति में आत्म अनुभूति है और यही ईश्वर अनुभूति भी है। इस अनुभूति को अहम् ब्रह्मास्मि कहते हैं ।

विभूति दर्शन : समाधि में स्थित होने पर ऋषि-मुनि सीधे सर्वव्यापी ईश्वर से ज्ञान प्राप्त करते हैं और इस ज्ञान को मानव कल्याण के लिए लिपिबद्ध कर देते हैं जिसे आध्यात्मिक ग्रंथ कहते हैं। क्रियायोग के अभ्यास से समाधि की अनुभूति सरलता से कम समय में हो जाती है । सत्य अनुभूति को ही विभूति दर्शन कहा गया है।

क्रियायोग सर्वश्रेष्ठ ध्यान : आत्मज्ञानी मनुष्य को ऋषि मुनि व पैगम्बर कहते हैं और इनके द्वारा स्पष्ट रूप से शिक्षा दी गयी है कि बिना साधना के सच की अनुभूति दुर्लभ है। क्रियायोग ध्यान उच्चतम् साधना है । प्राचीन काल में ऋषि-मुनि उच्चतम् वैज्ञानिक हुआ करते थे जिन्होंने मानव कल्याण के आध्यात्मिक ग्रंथों का सृजन किया। ''अहिंसा परमोधर्मः'' का प्रचार-प्रसार ही मनुष्य का श्रेष्ठतम् कर्म है। आध्यात्मिक ग्रंथों में जीव-जन्तुओं को मारना व हरे पेड़ों को काटना वर्जित है। क्रियायोग ध्यान करने से आपसी लड़ाई-झगड़े, मार-पीट सभी प्रकार की हिंसा की प्रवृत्ति का रूपान्तरण अहिंसा प्रवृत्ति में हो जाता है।

लड़ाई-झगड़ा का कारण : आध्यात्मिक ग्रंथों की गलत व्याख्या ही समस्त लड़ाई-झगड़े का कारण है। श्रीमद्भगवद्गीता, पतंजलियोगदर्शनम् , होली बाइबिल, रामायण, रामचरितमानस, पैगम्बर गौतम बुद्ध की शिक्षा, पैगम्बर महावीर स्वामी की शिक्षा, पैगम्बर कबीर दास जी की शिक्षा, पैगम्बर मोहम्मद साहब की शिक्षा में कहीं भी लड़ाई-झगड़े की शिक्षा नहीं है। आध्यात्मिक ग्रंथों में सभी को असीमता की अनुभूति की

File Photo

शिक्षा दी गयी है। युद्ध का गलत अर्थ लगाने से आध्यात्मिक ग्रंथों का अर्थ ही उलट गया । युद्ध को समझने के लिए ''युद्ध'' शब्द में आत्मशक्ति से प्रवेश करके इसमें निहित सच्चे भाव को जानना जरूरी है । 'य', 'उ', 'ध' और 'द्' के संयोग से युद्ध बना है । 'य' उत्तरोत्तर विस्तार को संकेत करता है, 'उ' स्वरूप में उच्चतम् बिन्दु कूटस्थ केन्द्र को व्यक्त करता है । 'ध' (ध् + अ) के संयोग से बना है । 'ध्' का अभिप्राय धारण करना तथा 'अ' का अभिप्राय ब्रह्मा, विष्णु व शिव शक्ति से है । इस प्रकार 'ध' (ध् + अ) ब्रह्मा, विष्णु तथा शिव शक्ति धारण करने का संकेत है । 'द्' दाता (परब्रह्म) को संबोधित करता है । उपरोक्त सभी अक्षरों को संयुक्त करने पर स्पष्ट हो जाता है कि प्रत्येक मनुष्य का लक्ष्य यह अनुभव करना है कि ब्रह्मा, विष्णु, शिव ही उसके रूप में प्रकट हो रहे हैं तथा परब्रह्म ब्रह्मा, विष्णु, शिव के रूप में है । इस सत्य की अनुभूति करने के प्रयत्न को युद्ध कहते हैं । युद्धकाल में मनुष्य को अनुभव होता है कि उसके अंदर की सीमित शक्ति काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद्, मत्सर का रूपान्तरण दम, शम, तितिक्षा, उपरति, श्रद्धा, समाधान में होता है ।

Knowing Scriptural Truth Through Uniting With Self

Self-Realization vs. God-Realization

From the beginning of time, Rishis and Prophets have shown us the real aim of human life. Each and every human is seeking more and more power, knowledge, peace, joy and Immortality. This is known as 'seeking God' or 'steps towards Self-realization'. The moment we realize the presence of God, at the same time we also feel that there is no existence of self. It is God who has become self. Once realization of this Truth is attained, we realize that self is Self (God). Therefore, Realized Masters and Prophets have explained that Self-realization is God-Realization.

Revelation of Scriptures: Enlightened souls used to sit in the state of samadhi to receive this Eternal Truth directly from the Supreme Spirit - God. This Truth was then written down by the Rishis for all persons and compiled into what we know as scriptures. Using the knowledge as written in the scriptures, the following generations could also then follow the prescribed path to experience the Truth that it is God who has become all. Kriyayoga practice fulfills this achievement easily and quickly. The highest goal of human life is to realize ultimate Truth that God is Immortal and God has become all.

Kriyayoga is the Highest Sadhanaa (Meditation): Realized Masters traditionally known as Rishis, Munis and Prophets have stated that to be one with God, one has to practice sadhanaa or meditation. Rishis are known to be the most advanced scientific researchers in all fields. They are, in fact, the best scientists whose research results in discovering nothing less than the ultimate Truth. The highest and royal sadhanaa that the Rishis referred to came to be known as Kriyayoga meditation. Ahinsa is the main theme of the teaching. All scriptures explain that each and every person should do the best to protect the structure and function of each and every creation of Cosmos. The cutting of green trees and green leaves and plucking of flowers and immature fruits are not allowed. Killing and slaughtering of animals are strictly prohibited. The Prophets have very clearly explained that there should be no fighting and war amongst human beings. The unnatural

File Photo

behaviour of human beings can be made natural by practising Kriyayoga meditation.

Cause of War and Fight, Amongst Human Beings:

The incorrect interpretation of scriptures created fight and war amongst human beings. Scriptures are teachings of Prophets and Realized Masters. They demonstrate how to follow the path of Truth and non-violence. Bhagavan Ram, Bhagavan Krishna, Gautam Buddha, Mahavir Swami, Jesus Christ, Moses, Kabir Das ji, Nanak Dev ji and Mohammed Saheb neither fought nor initiated any war. They taught all human beings the science of unity among themselves and with all creations. Their main teaching is the science of conversion of limited power and knowledge into unlimited Consciousness. Limited powers and knowledge are displayed in the form of lust (kaama), anger (krodha), attachment (raag) and aversion (dwesha), illusion (moha), pride (mada) and ego (ahamkaar), ignorance (avidya) and habit (matsara). These tendencies are converted into infinite power of senses (dama), infinite power of mind (shama), consciousness of even-mindedness (titiksha), perception of nearness with God (uparati), eternal patience and humbleness (shraddha) and realization that nothing is impossible (samadhaan).